संख्या-6/2023/07/58-1-2023 /006-54-2003-164-2019

प्रेषक,

महावीर प्रसाद गौतम
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

बाल विकास एवं पुष्टाहार अनुभाग लखनऊ : दिनांक 16 जनवरी, 2023

विषय:- अनुदान संख्या 49 में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए राज्य के 06 माह से 06 वर्ष आयु के बच्चे, गर्भवती एवं धात्री माताओं को अनुपूरक पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला पोषाहार (के0-50प्रतिशत/रा0-50प्रतिशत-के0) में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या-1091/बा0वि0परि0/पो0एवंस्वा0/2022-23, दिनांक 30 दिसम्बर, 2022 के सन्दर्भ में अवगत कराना है कि अनुदान संख्या-49 के अधीन वित्तीय वर्ष 2022-23 में पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिये जाने वाले पोषाहार के लिए मानक मद 43-सामग्री एवं सम्पूर्ति में कुल प्रावधानित धनराशि रु0 335057.00 लाख (केन्द्रांश रु0 167528.50 लाख व राज्यांश रु0 167528.50 लाख) के सापेक्ष शासनादेश संख्या-44/2022/935/001-54-2003-164-2019, दिनांक 20 जून, 2022 द्वारा अनुपूरक पुष्टाहार हेतु प्रथम त्रैमास के लिए सम्भावित व्यय के दृष्टिगत केन्द्रांश की प्रत्याशा में रु0 75340.00 लाख (रुपया सात अरब तिरपन करोड़ चालीस लाख मात्र), शासनादेश संख्या-73/2022/3641/004-54-2003-164-2019, दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 द्वारा द्वितीय त्रैमास के लिए अनुपूरक पुष्टाहार योजना में उपयोग हेतु रियायती दर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आवंटित कुल 54986.98 एम0टी0 चना की आपूर्ति नैफेड से किये जाने हेतु रु0 1,82,61,17,606.00 लाख (रुपया एक अरब बयासी करोड़ इकसठ लाख सत्रह हजार छः सौ छः मात्र) एवं शासनादेश संख्या-78/2022/3779/005-54-2003-164-2019, दिनांक 22 नवम्बर, 2022 द्वारा रु0 70563.40 लाख (रुपया सात अरब पांच करोड़ तिरसठ लाख चालीस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है।

उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-49 के अधीन वित्तीय वर्ष 2022-2023 में लेखाशीर्षक "2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-102-बाल कल्याण-01-केन्द्र प्रायोजित योजनाएं-0125-पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिये जाने वाले पोषाहार के लिए मानक मद 43-सामग्री एवं सम्पूर्ति के अन्तर्गत कुल प्रावधानित धनराशि केन्द्रांश रु0 167528.50 लाख के सापेक्ष केन्द्रांश रु0 66620.37 लाख तथा 89-केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का संगत राज्यांश-8925-पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वरा दिया जाने वाला पोषाहार के मानक मद 43-सामग्री एवं सम्पूर्ति के अन्तर्गत कुल प्रावधानित धनराशि राज्यांश रु0 167528.50 लाख के सापेक्ष राज्यांश रु0 66620.37 लाख अर्थात् कुल रु0 133240.74 लाख (रु0 तेरह अरब बत्तीस करोड़ चालीस लाख चौहत्तर हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदया द्वारा सहर्ष प्रदान की जाती है :-

नियम व शर्ते / प्रतिबन्धों

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

(1) अवमुक्त धनराशि का आहरण एकमुश्त न करते हुए आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार किया जायेगा।
(2) स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल प्रश्नगत योजना पर ही, समय-समय पर भारत सरकार/राज्य सरकार के सुसंगत शासनादेशों द्वारा निर्धारित तत्सम्बंधी मानकों/दिशा-निर्देशों तथा सुसंगत वित्तीय नियमों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा और किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि से अधिक का व्यय नहीं किया जायेगा।
(3) उक्त स्वीकृति धनराशि को किसी अन्य योजना/कार्यक्रम/मद/इकाई पर व्यय नहीं किया जायेगा। यदि कोई वित्तीय अनियमितता पायी जाती है तो इसके लिए निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार उत्तयरदायी होंगे।
(4) केन्द्रांश की धनराशि का समायोजन भारत सरकार से प्राप्त होने वाली केन्द्रीय सहायता की धनराशि से किया जायेगा।
(5) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रश्नगत कार्य किसी अन्य योजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है।
(6) वित्तीय स्वीकृति का आदेश बजट प्राविधान के सापेक्ष अवशेष धनराशि की उपलब्धता की स्थिति में ही निर्गत किया जा रहा है। बजट प्राविधान के सापेक्ष धनराशि की उपलब्धता का दायित्व निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0, लखनऊ का होगा।
(7) वित्तीय स्वीकृति जिस कार्य/मद हेतु की जा रही है, उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्य/मद हेतु किया जायेगा।
(8) यह धनराशि प्राप्त परिव्यय की सीमा में ही समाहित होगी। किसी भी प्रकार की विचलन की स्थिति में निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0, लखनऊ उत्तरदायी होंगे।
(9) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष नियमानुसार व्यय के आडिटेड लेखों के सम्बन्ध में सदुपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ प्रतिपूर्ति के दावे समय से प्रस्तुत करते हुए भारत सरकार से नियमानुसार अपेक्षित केन्द्रांश की धनराशि समयबद्ध रूप से प्राप्त की जायेगी। ऐसी प्रतिपूर्ति के दावे समय से प्रस्तुत किये जाये, ताकि इसके अभाव में प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान में कठिनाई न हो।
(10) उक्त धनराशि का आवंटन (एलाटमेंट) मात्र ही किसी प्रकार का व्यय करने का अधिकार प्रदान नहीं करता है। अतः बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों तथा इस सम्बंध में समय-समय पर जारी स्थायी आदेशों के अन्तर्गत जिन मदों पर व्यय करने के लिए राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने से पूर्व तत्सम्बंधी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा इसे विहित प्रक्रिया एवं नियमों के अनुसार ही व्यय किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
(11) प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत जनपदों को धनराशि आवंटित करने से पूर्व यह भलीभांति सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि इस हेतु पूर्व में आवंटित धनराशि जनपद स्तर पर नियमानुसार पूर्णरूप से व्यय कर ली गयी है।
(12) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष आवंटन/वितरित धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियंत्रण के सम्बंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994, कार्यालय-ज्ञाप संख्या-15/2021/बी-1-829/दस-2021-231/2022, दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 एवं शासनादेश संख्या-5/2022/ बी-1-224/दस-2022-231/2022, दिनांक 29 मार्च, 2022, शासनादेश संख्या-13/2022/बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक 07 जून, 2022, शासनादेश संख्या-24/2022/बी-1-750/दस-2022-231/2022, दिनांक 08 नवम्बर, 2022 एवं शासनादेश संख्या-बी-1-755/दस-2022-231/2022, दिनांक 10 नवम्ब0र, 2022 में दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
(13) वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के शासनादेश दिनांक 14.12.2022 द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनुपूरक अनुदानों की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बंध में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

(14) वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-11/2022/बी-1-356/दस-2022-15/2003, दिनांक 10.05.2022 एवं शासनादेश संख्या-12/2022/बी-1-357/दस-2022, दिनांक 10.05.2022 में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय (*1*) रुपये 6,66,20,37,000 (रुपये छह अरब छियासठ करोड़ बीस लाख सैंतीस हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक मे **अनुदान संख्या** 049 **लेखा शीर्षक** 2235021020125 पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिया जानें वाला पोषाहार (के.50/रा.50-के.) **मानक मद** 43 सामग्री एवं सम्पूर्ति (*2*) रुपये 6,66,20,37,000 (रुपये छह अरब छियासठ करोड़ बीस लाख सैंतीस हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक मे **अनुदान संख्या** 049 **लेखा शीर्षक** 2235021028925 पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिया जानें वाला पोषाहार **मानक मद** 43 सामग्री एवं सम्पूर्ति के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश कंप्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्या E-4-400-X-2022-23, दिनांक 11 जनवरी, 2023 मे प्राप्त वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(महावीर प्रसाद गौतम)
संयुक्त सचिव।

संख्या-6/2023/07(1)/58-1-2023/006-54-2003-164-2019, तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार (सिविल आडिट) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3. सचिव, भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
4. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4/वित्त आय-व्ययक अनुभाग-1
6. वित्त संसाधन (वित्त आयोग एवं केन्द्रीय सहायता) अनुभाग।
7. आहरण एवं वितरण अधिकारी, निदेशालय, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, लखनऊ।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर प्रसाद गौतम)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।